राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राजभवन में आयोजित कार्यशाला में अंग्रेजी एवं अर्थशास्त्र के नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालयीय शिक्षा के विकास हेतु कई रचनात्मक सुझाव दिये

पटना, 11 अक्टूबर 2018

राजभवन में आयोजित बिहार के विश्वविद्यालयों में नवनियुक्त सहायक प्राध्यापकों की कार्यशाला में आज दूसरे दिन अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य तथा अर्थशास्त्र विषय के प्राध्यापक शामिल हुए। ज्ञातव्य है कि महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन के निदेशानुरूप राज्य में नवाचारीय प्रयोगों को उच्च शिक्षा में कार्यान्वित करने के लिए नये–नये 'आइडियाज' एवं 'बेस्ट प्रैक्टिसेज' विषयक सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से राजभवन सभागार में उक्त कार्यशाला आयोजित की गई थी। राज्य में नवनियुक्त सहायक प्राध्यापक चूँकि देश के भिन्न–भिन्न भागों के उत्कृष्ट विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर एवं शोध–कार्य कर बिहार के विभिन्न विश्वविद्यालयों में आए हैं, अतः उनके समकालीन सुझावों की अहमीयत के मद्देनजर यह कार्यशाला आयोजित की जा रही है। ऐसी दो अन्य कार्यशालाएँ भी आयोजित होनी हैं।

आज अर्थशास्त्र एवं अंग्रेजी विषय के प्राध्यापकों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री विवेक कुमार सिंह ने कहा कि राजभवन, विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों एवं वरीय प्राध्यापकों के अतिरिक्त नवनियुक्त शिक्षकों के साथ विचारों को इसलिए साझा करना चाहता है कि चूँकि ये युवा शिक्षक देश के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों से शिक्षा प्राप्त कर बिहार के विश्वविद्यालयों में नियुक्त हुए हैं। श्री सिंह ने कहा कि कार्यशाला से लौटकर सभी प्रतिभागी प्राध्यापक अपने विचार सारगर्भित रूप में ई–मेल के जरिये कार्यशाला के नोडल पदाधिकारी को 5 दिन के अंदर भेज देंगे। श्री सिंह ने कहा कि भेजे जानेवाले सुझाव स्पष्ट, तर्कसंगत, दूरगामी प्रभाववाले तथा कार्यान्वयन की दृष्टि से भी व्यावहारिक होने चाहिए।

कार्यशाला में सहायक प्राध्यापकों ने आज कई महत्त्वपूर्ण सुझाव दिये। प्राध्यापकों ने सुझाव दिया कि शिक्षकों एवं छात्रों की अध्यापन एवं अध्ययन की गुणवत्ता की 'वार्षिक स्कोरिंग' होनी चाहिए एवं तदनुरूप प्रोन्नति में शिक्षकों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने 'मेरिट प्रोन्नति' की अवधारणा विकसित करने का सुझाव दिया। प्राध्यापकों का सुझाव था कि शिक्षकों के लिए नियमित तौर पर गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित होने चाहिए; साथ ही 'अन्तर्विश्वविद्यालयीय स्कॉलर ग्रुप' तैयार कर, एक विश्वविद्यालय के प्राध्यापक का राज्य के दूसरे विश्वविद्यालयों में भी व्याख्यान समय–समय पर आयोजित होना चाहिए।

आज की कार्यशाला में शिक्षकेत्तर कर्मियों एवं शिक्षकों के एक निश्चित समय पर स्थानान्तरण नियमित तौर पर होते रहने के भी सुझाव प्राध्यापकों द्वारा दिए गए।

कार्यशाला में स्नातक 'प्रतिष्ठा' वर्ग की पुस्तिकाएँ अंगीभूत महाविद्यालय के शिक्षकों से ही मूल्यांकित कराये जाने का सुझाव दिया गया। एक ही प्रश्न की एक वर्ष के अंतराल पर बार–बार परीक्षा–पत्रों में पुनरावृत्ति को भी शिक्षकों ने वाजिब नहीं माना। उनके सुझाव थे कि विश्वविद्यालय स्तर पर हर पाठ्यक्रम का एक 'बृहद प्रश्न बैंक' तैयार होना चाहिए एवं गुणवत्तापूर्ण मोडरेशन' के जरिये हर विषय में प्रश्नों के चयन होने चाहिए, ताकि छात्र पूरे पाठ्यक्रम को ध्यानपूर्वक गहराई से पढें।

आगे पृष्ठ...2 पर

कुछ शिक्षकों ने 'क्लासरूम' तथा अन्य आधारभूत संरचनाओं की कमी के कारण प्रतिष्ठित महाविद्यालयों में दो शिफ्ट में पढ़ाई का भी सुझाव दिया। शिक्षकों ने 'स्मार्ट क्लासेज' चलाने तथा पुस्तकालयों के 'डिजिटाईजेशन' एवं सुदृढ़ीकरण का भी सुझाव दिया। प्रत्येक पुस्तकालय में पुस्तकों एवं अन्य अभिलेखों की फोटोकॉपी प्राप्त कराने की सुविधा हेतु 'जेरॉक्स मशीनें' संस्थापित कराने का भी सुझाव शिक्षकों की ओर से मिला।

नवनियुक्त प्राध्यापकों ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में 'प्रतियोगी परीक्षाओं' की तैयारी की दृष्टि से भी कक्षाएँ चलाने तथा 'Placement Cell' संस्थापित कराने का भी सुझाव दिया गया। 'क्लासरूम स्टडी' के प्रति छात्रों की अभिरूचि बढ़ाने के साथ–साथ, शिक्षण संस्थानों में पाठ्येतर गतिविधियों (Extracurricular Activities) को बढ़ाने का भी सुझाव प्राध्यापकों ने दिया। पाठ्यक्रम को बराबर 'अपडेट' करते हुए उसे आज की जरूरतों के अनुरूप तैयार करने का सुझाव भी युवा शिक्षकों से प्राप्त हुआ।

अंग्रेजी के शिक्षकों ने कहा कि साहित्य के छात्रों को भी रचनात्मक–लेखन, नाट्य प्रतियोगिता, साहित्यिक गोष्ठियों, सेमिनारों आदि के आयोजन के प्रति अभिमुख किया जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि अर्थशास्त्र के विद्यार्थियों को बैंकिंग एवं व्यावसायिक सेवाओं के बारे में बताते हुए सिद्धान्तों के 'Practical Applications' भी पढ़ाये जाने जरूरी हैं। कार्यशाला में प्रधान सचिव ने कहा कि सभी सुझावों पर प्राप्त विस्तृत टिप्पणियों में से महत्त्वपूर्ण को चुनकर कुलपतियों एवं विशेषज्ञों आदि से विमर्शोंपरान्त, राज्यपाल सचिवालय महामहिम कुलाधिपति का अनुमोदन प्राप्त कर आवश्यक नवाचारीय प्रयोगों को कार्यान्वित करेगा।

आज की कार्यशाला को अपर सचिव श्री विजय कुमार तथा राजभवन के अन्य वरीय पदाधिकारियों आदि ने भी संबोधित किया।

.....